डा. ईश्वरभाई जोषी

एक करूण कहानी

डा. ईश्वरभाई जोषी

आघात

डा. ईश्वरभाई जोषी

(पीएच.डी.)

मनोविज्ञान वैज्ञानिक

साथ में

प्रणव

प्रकाशक

IJC

ईश्वरभाई जोषी कंसल्टेंसी

अडाजन, सूरत

लेखक के पास कॉपीराइट सुरक्षित

Ideazunlimited3@gmail.com

आघात

(एक करूण कहानी)

लंदन 1975

सेंट्रल हॉल

थिस ईयर बेस्ट फोटोग्राफ अवॉर्ड ऑफ द इयर गोज टू

दिनेश पटेल, फ्रॉम इंडिया.

तालियों की गूंज से सेंट्रल हॉल गूंज उठा। लाइट्स ऑफ हुए और स्टेज के स्क्रीन पर एक चित्र दिखाई दिया। एक गरीब माँ फ़टे वस्त्रों में कीचड़ में एक बैल के साथ हल खींच रही है। हल उसकी आठ साल की बच्ची चला रही है।

जानवरों के जैसे दो स्त्रियाएँ हल खींच रही थी। ढलते सूरज की रोशनी माँ के आँचल को उभार दे रही थी। जिसे देख उस हॉल में बैठे मर्दों की “सौंदर्य दृष्टि” सुख प्राप्त कर रही थी। आठ साल की बच्ची के शरीर पर केवल लज्जा के जितना कमर को लपेटा वस्त्र था।

फोटो को एक मिलियन पाउंड का प्रथम पुरस्कार मिला था।

******

बिहार

दरभंगा

गांव कटिहार सन 1965.

बिहार के दरभंगा जिले में पथरु मोची की एक बीघा जमीन थी। उसके दादा और बाप दोनों ने जंगल काटकर पत्थरों को तोड़कर जमीन को उपजाऊ बनाया था। जिसमें थोड़ा बहुत अनाज होता था।

जमीन तो थी लेकिन यह लोग इतने गरीब थे, कि बीज के लिये बचाया अनाज भी खा जाते थे। तो दूसरे साल बोने के लिये बीज ही नही बचता था।

मुख्य सड़क पर बस से उतरने के बाद आठ किलोमीटर तक धूल मिट्टी से भरा रास्ता था। जिसे को पार करने के बाद एक छोटी नहर लगती थी। उसके बाद अनेक खेतों के को पार करके पगडंडी तीन झुग्गियों की एक बस्ती में खतम हो जाती थी।

वहीं एक झोपडे में पथरु मोची का परिवार रहता था।

1965 की धर्म परिवर्तन क्रांती में शामिल होकर अपने जीने का नया रास्ता चुनने का अवसर सामने आया था। लेकिन उनके बिरादरीवालोंने परिवर्तन के लिए मना कर दिया।

पथरू और उसकी जोरू लीला लोगों के यहाँ मजदूरी करते थे। कभी मजदूरी मिलती भी थी। कभी कभी दिन भर मेहनत करने के बाद मजदूरी तो दूर, उन्हें लात मार कर निकाल दिया जाता था।

खाने को बासी रोटी नसीब होती थी, कभी कभी वो भी नहीं होती थी। किसी ने दया कर कुछ पुराने कपड़े दिए तो ठीक, वरना चीथडे लपेट कर काम चलाते थे।

पथरुकी शादी को चार साल हो गए थे। घर में बूढी विधवा माँ अंधी थी। चारपाई पर वह दिनभर बैठी रहती थी। उसका बदन हल्का सा गर्म रहता था। मौत का इंतजार करते करते वो थक गई थी। दिनभर वह कराहती रहती थी।

घर क्या था... पुराने पेड़ की टहनियां और पत्तों को लगाकर झोपड़ा बनाया गया था। उसके पत्ते भी रात को कोई खुल्ला सांड चबा कर चला गया था। छत के नाम पर बड़े-बड़े ऐसे सुराग थे जिनमें चांद स्पष्ट रूप से अंदर झाँकता था।

बूढ़ी के कपड़ों को धुले जमाना बीत गया था। अमावस की रात आती थी तब लीला अपना कपडा बाजू से बहने वाली नहर में धोती थी। और अंधेरे में चुपचाप कपड़ों के सूखने का नंगे

बदन इंतजार करती रहती थी। उस वक्त रात को ठंड से ठिठुरते लीला लकड़ी जलाकर अपने आप को गर्म भी नहीं रख सकती थी। क्योंकि जिंदगी से ज्यादा लज्जा प्यारी होती थी। चांदनी रात में तो वह भी न हो पाता था।

किसी के घर में शादी होती थी तो पथरु वहाँ से चार पांच रोटीयाँ चुरा कर लाया करता था।
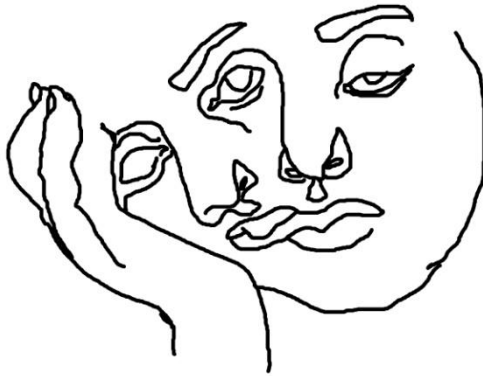
एक दिन मुखिया के घर वास्तुशांति थी। उसमें से पथरु रोटीयाँ चुरा रहा था। तो मुखिया का कुत्ता जोर जोर से भौंकने लगा। जान बचाने के लिए पथरु ने दीवार से छलांग लगा दी। तो वह पत्थर में जा गिरा। पैर की हड्डी टूट गई। कुत्ते ने आकर उसकी रोटी छीन ली और कुल्हे पर काटा वो अलग।

मुखिया ने दूर से ही उसको गंदी गंदी गालियाँ दी। पथरु कराहता हुआ घसीटता हुआ जैसे तैसे घर पर लौटा। घसीटने ने के कारण कूल्हे की चमड़ी और उधेड गई थी। बूढ़ी माँ के खटिया के नजदीक कराहता हुआ गिर गया। वहीं पर उसकी आंख लग गई। थोड़ी देर में दर्द के कारण वो जाग गया। आंखें आधी खोलकर वह देख रहा था उसका वफादार कुत्ता उसके जख्मों को चाट रहा था। मालिक के जख्म पर भिनभिनाती हुई मक्खियाँ कुत्ते ने देखी और उससे राहत दिलाने के लिये वह मूक जानवर उसे चाट रहा था।

लीला काम से लौट रही थी। इन सब बातोंसे अनजान। उसने दूर से ही देखा, कुत्ता पथरु को दर्द दे रहा है। एक पत्थर उठाकर उसने कुत्ते की तरफ जोर से फेका। कुत्ते की पीठ पर पत्थर लगा। दर्द के मारे कराहते हुए केऊँ केऊँ करते हुए कुत्ता भाग गया।

लीला ने तुरंत दौड़कर झाडी से कुछ पत्ते काटे। पत्तों का रस निकालकर जख्मों पर लगाया।

दोनों कुछ बात नहीं कर रहे थे। बूढ़ी माँ अपनी अंधी आंखों से इन दोनों को खोज रही थी। लेकिन अंधेरे के सिवा उसे कुछ नजर नहीं आ रहा था। दो लकड़ियां लेकर पैर को कसकर बाँधा। पल्लू के नीचे कुछ खाना वह छुपा कर लाई थी। उसे गर्म करके तीनों लोगों ने भर पेट खाना खाया। आज चूल्हा जल गया था।

लीला ने दिया जलाया। माँ कब की सो गई थी । पथरु दर्द के मारे हल्का हल्का कराह रहा था। लीला ने फटी चटाई जमीन पर डाली। पथरुका

सर वह दबाने लगी। आज चांद निकलने में देरी थी इसलिए दिया देर तक जल रहा था। इतने में लीला को उल्टी आई उठकर वह बाहर चली गई। पथरु और भी परेशान हो गया।

लीला वापस चटाई पर आई। चिंता से पथरु ने उससे पूछा, क्या हुआ?

लीला शरमाई। कुछ बोल नहीं रही थी। पथरु और भी ज्यादा हैरान हो गया। उसे जोर से हिला कर वह पूछ रहा था। वह बोली, “मैं नहीं बताऊंगी। मुझे खट्टा खाने का मन हो रहा है”। फिर भी पथरु समझ नहीं पाया। उसको और ज्यादा पूछ रहा था। तब बाहर खटिया पर बूढी माँ जाग गई। बाहर से ही बोली, “अरे पागल, तू बाप बनेगा। घर में नया मेहमान आएगा।

पथरु को आनंद के बाजाय चिंता होने लगी। तीन लोगों को ही रोटी नसीब नहीं हो रही है। उसमें और एक जीव आएगा तो परिवार कैसे

चलेगा? लीला बोली, “हो सकता है, नये बच्चे के कारण हमारे भी दिन सुधर जाएंगे”।

पथरु बोला. “बस तू जैसा बोल रही है वैसा ही हो। तेरे मुंह में घी शक्कर”।

देर रात तक इधर-उधर की बातें दोनों कर रहे थे। रात सर चढ़कर बोलने लगी। दूर कहीं पर कुत्ते भोंकने लगे थे। लोमड़ी की आवाज आ रही थी। झिंगुर अपने परवान पर आवाज कर रहे थे। दोनों नींद के अधीन हो गए।

सवेरे सूर्य की किरणों के साथ दोनों जाग गए।

अत्यंत गरीबी और भुखमरी के साथ जिंदगी बिताने वाला यह परिवार; स्वतंत्र भारत देश का इकलौता परिवार नहीं था। लाखों परिवार गरीबी रेखा के नीचे जीवन व्यतीत कर रहे थे। संपूर्ण भारत देश दो हिस्सों में बटा हुआ था एक था शहरी भारत दूसरा था ग्रामीण भारत।

जिंदगी का बोझ ढोने वाले इन लोगों गांव में पानी का एकमात्र स्त्रोत था। बाजू से बहने वाली नहर! देश स्वतंत्र होकर कितने साल गुजरे इसकी इन को भनक भी नहीं थी। क्योंकि इनके जीवन व्यापन में कुछ भी परिवर्तन नहीं आया था। अभी तक जाति प्रथा की जंजीर पूरी तरह से टूटी नहीं थी। पानी भरने के लिए मोची

परिवारों को नीचे की बाजू जाना पड़ता था। जहां ऊपर की तरफ ऊंची जात वाली औरतें पानी भरती थी। वहीं पर कपड़े धोती थी। गाय बैलों को धोती थी। गंदा पानी नीचे की तरफ आता था। उस गंदे पानी को भगवान का प्रशाद समझकर मोची समाज के तीन घर पीते थे।

कई साल पहले जब पथरु का पेट खराब हुआ था। तब उसकी माँ ने ऊपर वाली नहर से रात को पानी चुराया था। दुसरे दिन उसके पैरोंके निशान से उंची जातवालों को पता चला। इसलिए जात पंचायत ने उसकी आंखों में लहसुन का तेल गर्म करके डाला था। जिंदगी भर के लिए उसे अपाहिज बना कर छोड़ दिया। फिर किसी मोची महिला ने ऊपर से पानी चुराने की हिम्मत नहीं। तब पथरु दस ग्यारह साल का था। अपनी माँ को चार दिन तक पीड़ा से तड़पता हुआ वह देख रहा था। उसका बाप और दादा उसे समझाते रहे... ‘हमारे नसीब का भोग

है’। और यह बात उसके दिमाग पर असर कर गई थी।

घर में, घर संसार के नाम पर हाथ से बने हुए मिट्टी के बर्तन थे। एक पुरानी लोखंड की कढ़ाई और लीला ने अपने मायके से चांदी का एक छोटा सा मंगलसूत्र लाया था। उसे वह हमेशा चूल्हे के पीछे जमीन में गाड़ कर रखती थी। कई बार उसे दिल होता था कि इसे बेचकर कुछ दिनों का गुजारा किया जाए।

लेकिन डरती थी उसका बड़ा भाई अब तक जेल में था। दादी के चांदी के पायल लेकर दरभंगा में वह बेचने गया था। तो दुकानदार ने पुलिस को खबर कर दी। पुलिस ने आकर उसे लूटा। दुकानदार को पचास रुपिये दिए और चोरी का झूठा इल्जाम लगा कर उसे जेल में बंद कर दिया गया। अब तक वह छूट नहीं पाया था।

उसकी औरत दरभंगा जाती दरोगा के हाथ पैर जोड़ती। फिर दरोगा पूरे दिन उससे काम

करवाता था। रात को उसके साथ सोता था। पिछले तीन साल से यही चल रहा था। अब तो उसने भी दरभंगा जाना बंद कर दिया था। भाई की हालत पर न रोना आता था ना दया आती थी। अब लीला का मन सुन्न हो गया था।

पिछली बारिश के मौसम में पथरु का बाप नहर में से पानी लाने गया था। फिर कभी लौट कर आया ही नहीं। पैर फिसल कर शायद वह बह गया होगा। सब कहते थे नहर के पास इमली का पेड़ है उस पर एक डायन है। वह उसे खा गई। दु:ख बाप के जाने का नहीं था। दु:ख इस बात का था कि पानी भरने को जो कलश वो लेकर गया था वह पीतल का कलश भी उसके साथ गायब हो गया था।

गांव के मुखिया के साले को पथरु ने उसी इमली के पेड़ के नीचे चार दोस्तों के साथ उसी कलश में शराब पीते हुए देखा था। लेकिन उसकी हिम्मत नहीं हुई कि उन लोग को जाकर पूछे, “क्या किया तुम लोगों ने मेरे बाप के साथ?”

कई बार लीला पथरु के साथ, कलश क्यों नहीं माँगते, इसको लेकर झगड़ा भी कर चुकी थी।

लेकिन पथरु की उन गुंडोंसे भिडने की हिम्मत नहीं हुई।

एक दिन हिम्मत करके वह खुद ही उन शराबियों से लड़ पड़ी। उस तपती दोपहर में दूर-दूर तक कोई नहीं था। और लीला के उन लोग के साठ झगडे का परिणाम यह हुआ कि शाम को उसे होश आया तब तक कलश तो सर के पास पड़ा हुआ था। लेकिन इज्जत लुट चुकी थी। होश आते ही चुपचाप वहाँ से कलश लेकर वह खिसक गई।

किसी से न्याय माँगने जाते तो और ज्यादा इज्जत जायेगी यह निश्चित था। और दूसरी बात यह भी कि लीला के अलावा दूसरा कोई इस राज को नहीं जानता था। कलश को घर पर आकर उल्टा देख कर के देखा। वही था। शराब के अलावा अंदर से कुछ सिक्के निकले। शराबी लोग शायद खेलते खेलते भूल गए होंगे।

कुछ दिनों बाद उसने खट्टा खाने की इच्छा जाहिर की थी।

अब चौथा महीना चल रहा था फिर भी लीला को हर रोज काम पर जाना पड़ता था। एक दिन गांव के सरपंच अपने चार-पांच गुंडों के साथ रात के आठ बजे पथरू के घर पर आए। एक कागज का एक टुकड़ा उसकी तरफ फेंका, बोले "तेरी आधी जमीन सड़क योजना के अंतर्गत सरकार ले लेगी अंगूठा लगा दे"।

पथरू डर गया था। उनकी माँ ने मुंह में ही गाली बकना शुरू कर दिया। उसकी तरफ सरपंच ने ध्यान नहीं दिया। दो मुष्टंडे आगे आए। पथरु के बायें अंगूठे को स्याही लगाकर कागज पर लगा दिया गया। एक सौ रुपिये का नोट उसकी तरफ फेंक कर वह लोग चले गए। लीला ने आकर झट से नोट उठाया।

उसने पथरू को पूछा, "अगर सरकार जमीन ले रही है, तो यह हमें सौ रुपिये देकर क्यों गया?"

वास्तव में गरीबों के साथ गुंडागर्दी कर के सरपंच वह जमीन खुद की है यह दिखाता था। सांसद के साथ मिलकर फिर उसे सरकार को हस्तांतरित करते थे। इस तरह सरकार का पैसा

लूट रहे थे। और दुसरी जगह पर गरीबों का हक मारकर पैसे बना रहे थे।

इस राजनीति को कोई नहीं जानता था। ना लीला ना पथरु।

दसेक दिन के बाद जोरदार मशीनों की आवाज आने लगी। गांव के लोगों ने ऐसे प्रचंड मशीन पहले बार देख रहे थे। इसलिए दूर दूर से लोग रास्ते काम देखने आ रहे थे। मेले के जैसा हुजूम उमड़ा। उसमें चना कुरमुरा बेचने वाले भी आ गए और खिलौने बेचने वाले भी।

पथरु की जमीन का आधा हिस्सा सड़क में कटा थोड़ा हिस्सा बाजू में बचा। लेकिन अच्छी बात ये हुई कि पथरु को नया काम मिल गया। मशीन को धोकर साफ करने का। और रात को रोड कांट्रेक्टर और उसके लोगों को दारू पिलाने का। जिसका दिन में कुल मिलाकर पथरु को पचपन रुपया मिलता था। दस दिन में उसकी

आमदनी साढे पाँच सौ हो गई। लीला की बात सच हो रही थी।

आने वाले बच्चे के कारण दिन बदल रहे थे। पथरू मेहनती इंसान था जो भी काम उसे बताया जाता तुरंत दौड़कर करता था। जिसके कारण कॉन्ट्रैक्टर साहब का वह चहिता बन गया था। करीबन पाँच महीने तक चालीस किलोमीटर की सड़क का निर्माण हो गया था। पथरू ने नई शर्ट पैंट ली। पत्नी को नए कपड़े लिए। दुखियारी माँ को भी पहली बार नए कपड़े मिले। घर को थोड़ा ठीक किया गया और नए बर्तन भी घर में आए।

नौ महीने पूरे हो गए। पथरु के यहाँ लड़की आई। लक्ष्मी समझ कर पथरुने गांव में शक्कर बाँटी।

तो मुखिया का साला गाली देकर बोला, “तू जिसको अपनी औलाद समझ रहा है, उसके बाप हम चार लोग हैं”। इस पर पथरु मुस्कुराया और

बोला, “मालिक मैं ठहरा किसान मजदूर, मुझे तो समझ में आता है, मेरे जमीन में किसी और ने बीज बो दिया तो भी फसल तो मेरी ही हुई ना? लो आप भी मुँह मीठा करो”।

मगरूर साला भी पथरु का मुँह देखता रह गया। जीवन का कितना बड़ा रहस्य मुस्कुराते हुए उसने सुलझाया था। कॉन्ट्रैक्टर साहब बोले पथरु अब यहाँ का काम खत्म हो गया है। देल्ही चलेगा मेरे साथ? मेरे बंगले पर? पगार भी दूँगा और रहने खाने का, हम लोग के साथ”।

उस रात लीला को नींद नहीं आई। जो भी रूखी सूखी मिलती थी सब लोग साथ में तो रहते थे। पथरु जैसा अनपढ़ आदमी न जाने देल्ही जैसे बड़े शहर में कैसे रहेगा। उसे बड़ी चिंता हो रही थी। नई बच्चे गोद में और अंधी माँ भी साथ में... गरीबी कि उसे चिंता नहीं थी। ना जानवरों की चिंता थी। चिंता थी तो बस गांव के गुंडों की। उनसे कैसे बचें? मर्द कैसा भी हो लेकिन

घर में रहता है, तो किसी गुंडे की नजर डालने की ताकत नहीं होती। फिर भी पथरु ने ठान ली थी कि वह शहर जाएगा।

फिर दो महीने में लौट कर आएगा। और सब लोग साथ में शहर चले जाएंगे। वैसे भी गांव में कुछ नहीं था। जिसको वह अपना समझे।

पथरु ने लीला को कहा, "देख, मेरी इच्छा है, मैं सोने का मंगलसूत्र तुम्हारे लिए बनवा दूँ। बस मुझे और कुछ नहीं चाहिए। सुहाग की निशानी मैं तुम्हें देना चाहता हूँ।"

लिला को मालूम था पथरु के दिमाग ने कुछ चीज ठान ली है, तो उसे वो करके ही छोड़ेगा। इतना ही बोली, "बस दो महीने में आ जाना पक्का"।

दूसरे दिन कॉन्ट्रैक्टर सेठ के साथ वह निकला। गाड़ी की तरफ लीला तब तक देखती रही जब तक वह गाड़ी आँखों से ओझल नहीं हुई। हर महीने पथरु पैसे भेजता था। अच्छे पैसे भेजता

था। देखते देखते दो महीने की जगह पर आठ महीने निकल गए। केवल चिट्ठी आती थी। लीला का मन होता था कि देल्ही चले जाए और पथरुके साथ रहे।

बारिश का मौसम शुरु हुआ। पथरु पूरी पगार लीला को भेजता था। बारिश ने जोर पकड़ा। देखते-देखते बाजू वाली नहर में पानी चढ़ गया। खेतों में पानी। जंगल में पानी। रातों-रात चारों तरफ पानी ही पानी था। रात भर लीला बच्ची को गले लगाए रही। घर में घुटनों जितना पानी आ गया था, तेज बहाव के साथ।

बूढ़ी माँ हमेशा की तरह खटिया पर सो गई थी। भोर भये लीला ने देखा माँ खटिया पर नहीं थी। सुबह जब बारिश कब हुई तब बच्ची को लेकर कीचड़ में बूढ़ी माँ को ढूंढने निकली। हल्की बूंदा बांदी बारिश और ठंडी हवा। नहर उस पार कुछ लंबा सा बहता हुआ लीला को मालूम हुआ।

नजरें बारीक करके देखा तो शायद बूढ़ी माँ की लाश थी। जो पानी में बहकर जा रही थी।

लीला की आँखों से गर्म पानी बहने लगा। माँ को अंतिम संस्कार नसीब नहीं हुआ इसका दुख लीला को हुआ। लीला लौट कर आई। खटिया को देखा तो नीचे की रस्सीयाँ टूटी हुई थी। मतलब माँ नीचे पानी में गिरी। वहीं पर उसने प्राण त्याग दिए। और बेसहारा लाश बहती चली गई। क्या करें लीला को कुछ भी समझ में नहीं आ रहा था।

बारिश की वजह से चार महीने ना पोस्टमन आया ना कोई पैसा। इतनी बारिश में पोस्ट मन दूर दराज गाँव में आये तो भी कैसे। सितंबर के महीने में बारिश कम हुई तो पोस्टमन ने आवाज लगाई। दौड़ती हुई लीला आई तो कुल मिलाकर बारह सौ की मनी ओर्डर पोस्टमन चाचा ने थमा दी।

लीला को मालूम ही नहीं था कि कॉन्ट्रैक्टर साहब का शहर का नामी स्मगलर था। पथरु के शहर जाने के दो बार पुलिस की रेड हुई। उसमें पथरु को भी पकड़ कर जेल में डाल दिया गया। जबान का पक्का कॉन्ट्रैक्टर एड्रेस पर पथरू के लिए मनीओर्डर भेजता था। छ महीने के बाद किसी ने कॉन्ट्रैक्टर को गोली मार दी।

पथरुके परिवार का कोई वाली नहीं बचा। लीला गांव के गुंडों से निपटना भली-भांति सीख गई थी। एक बैल उसने किराए पर लिया। हल से जमीन जोतने के लिए वह खेत पर गई, बच्ची के साथ। बच्ची हल को पीछे से सम्भाली हुई थी और बैल के साथ दूसरी तरफ लीला हल खींच रही थी। शाम हो गई थी।

****

कैबिनेट मिनिस्टर के दामाद मिस्टर ‘दिनेश’ लंदन से भारत आये थे। “प्रोग्रेस आफ इंडिया आफ्टर इंडिपेंडेंस” विषय पर वह फोटो का विषय

ढूंढ रहा था। दो महीने बाद कंपटीशन के नतीजे आने वाले थे।

दिनेश ने आलीशान गाड़ी रोककर कीचड़ में बैल के साथ हल खिंचने वाली लीला की तस्वीर लेना शुरू किया... क्लिक क्लिक क्लिक...

****
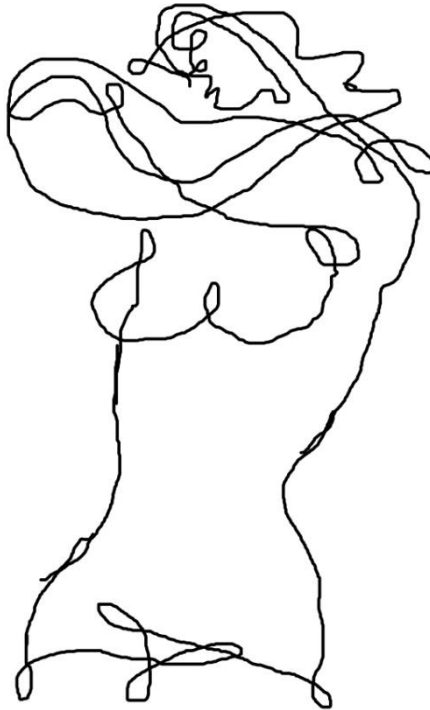
पथरू जेल से रिहा हो गया। उसपर कोई आरोप साबित नही हो सका। कॉन्ट्रैक्टर साहब के घर पर गया। वहाँ कांट्रेक्टर नहीं था। अब किसी और ने उसके घर पर कब्जा किया हुआ था।

फिर देल्ही के एक चौराहे पर रामभरोसे होटल में वह साफ सफाई का काम करने लग गया था।लीला को उसने वादा किया था कि सोने का मंगलसूत्र वह लेकर आएगा। तिनका तिनका वह बचाता रहा। यहाँ तक की लीला को भी वो पैसे नहीं भेजता था। जेल में रहकर वह पागल जैसा हो गया था। कानून ने उसका अपराध ना होते हुये भी जिंदगी के छ महिने लिये थे। उसका उसे बडा सदमा पहुँचा था।

कभी अपने आप के साथ हंसता था, बड़बड़ करता रहता था, कभी रोता था। लेकिन जो भी काम उसको बताओ तुरंत करता था। दाढ़ी बढ़ गई थी। बाल बढ़ गए थे।

राम भरोसे होटल में आठ लोग मजदूरी करते थे। वही फुटपाथ पर सोते थे। होटल मुख्य सड़क के चौराहे पर थी। धूल मिट्टी दिनभर फेफड़ों में जाती रहती। रात का बचा खुचा भोजन सबको मिलता था। इन सब ने धीरे-धीरे अपना असर दिखाना शुरू कर दिया था। पथरु की तबीयत बिगड़ने लगी थी।

फिरभी पेट काट काट कर इतने पैसे तो वो जमा कर पाया था कि दो ग्राम का एक कच्चा पक्का सोने का मंगलसूत्र उसने खरीद लिया। उसके खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सवेरे की गाड़ी से गांव के लिए निकल जाएगा यह सपना देखते हुए बाकी के लोगों के साथ वह सड़क पर फुटपाथ पर सो गया।

रात के करीबन एक बजे मौत का सौदागर फुल स्पीड से आया। फुटपाथ पे सोये सब गरीब लाचार लोगोंको कुचलता हुआ चला गया। जिसमें बाकी के सभी लोगोंकी जगह पर ही

मृत्यु हो गई। खून और माँस का ढेर लगा। पथरुकी दोनों टांगे शरीर से अलग हो गई थी। चीख-पुकार से रात का सन्नाटा गूंज उठा।

पुलीस आई पंचनामा शुरू हुआ। पागल पथरु चिल्ला रहा था। लीला के पास लेकर चलो लीला के पास। पुलिस के साथ डॉक्टरों का दल भी आ गया था। पथरु के बचने की एक ही उम्मीद थी। उसे गाँव पहुँचाया जाए। डॉक्टरों ने उसके कटे पैरों को मास के ढेर में फेंका। उसकी मरहम पट्टी की और एंबुलेंस वाले को बताया इसका जहाँ गाँव है, पहुंचा दिया जाए। और साथ में एक हजार रुपया ड्राइवर के हाथ में रख दिया गया।

कैबिनेट मंत्री पटेल साहब के बेटे से यह 'अनजाने में भूल' हुई थी। वह तो बड़ा मासूम था। पुलिस और डाक्टरोंको लाखों रुपया पहुंचाया गया था। लाशों को रफा-दफा करने का हुक्म मिला था। इसलिए मंत्री साहब इतने मेहरबान

हुए थे कि जख्मी पथरू को गांव में मुफ्त पहुंचाया जा रहा था। अन्यथा पथरू की जबानी मंती साहब के बेटे को मुसीबत में डाल सकती थी।

एंबुलेंस में केवल दो ही लोग थे। एक पथरु और दूसरा ड्राइवर। लगातार तीस घंटे गाड़ी चल रही थी। उबडखाबड रस्ते और पुरानी गाडी.. गांव के नजदीक आकर ड्राइवर ने पूछा, “कौन से घर उतार दूँ?”

पथरू ने कहा, “मोची वालों की बस्ती”. ड्राइवर ने उसे तुच्छ नजर से देखा। और नहर के पास धक्का दे कर बाहर गिराया। जानवर के जैसा पथरू चिल्ला रहा था। दूर से लिलाने आवाज सुनी। सब कुछ छोड़ कर पागल जैसी वो दौडी।

देखा तो पथरू तड़प रहा था जमीन पर। आधा कटा शरीर देखकर उसका सर चकरा गया। पथरू कुछ इशारा कर रहा था। वह समझ नहीं पा रही थी। शर्ट के अंदर की जेब में कुछ है ऐसे लीला

को महसूस हुआ। लीला ने उसकी जेब में हाथ डाला, तो वह सोने का मंगलसूत्र था।

पथरू ने दोनों हाथों में मंगलसूत्र पकड़ा और लीला ने गर्दन आगे झुका दी। लीला के झुकते ही पथरू ने मंगलसूत्र उसके गले में पहनाया। इतने में दौड़ती हुई उसकी बेटी वहाँ पर आ गई।

लीला बोली, 'देखो अपनी बेटी'। बेटी नीचे बैठी। दोनों को पथरू ने गले लगाया। तीनों सुबक सुबक कर रोने लगे। पथरु बोला," चल लीला, घर पर चल। मेरी बेटी का ब्याह मैं अपने हाथों से कराऊंगा। अभी भी मैं मेहनत करूंगा। बहुत जान मुझ में बाकी है। चल।"

उस हालत में लिला ने आँसू पोछ दिये बोली, "चलो' चलते हैं"। और उसने पथरू को उठाने के लिए हाथ गर्दन के नीचे डाला।

इतने में देखा गाँव के लोग पथरुकी लाश को सामने से ला रहे थे। मुखिया बोला," लीला पथरू की लाश सड़क किनारे पड़ी मिली..।

है रान होकर लीला ने देखा तो उसके हाथ में टूटे हुए मंगलसूत्र के अलावा कुछ भी नहीं था...।
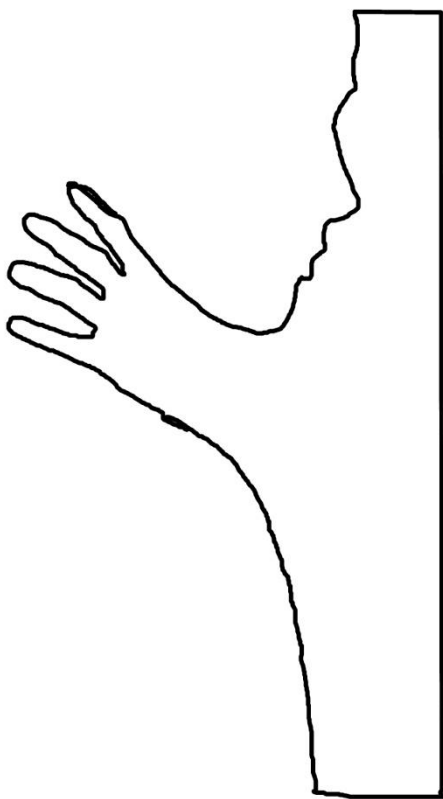
डा. ईश्वरभाई जोषी की अन्य पुस्तकें, आध्यात्मिक स्वास्थ्य श्रृंखला पर पढ़ने के लिए,

1) रेकी ग्रैंड मास्टर
2) सम्मोहन चिकित्सा
3) टेलिपथी
4) अप्सरा साधना
5) एक्यूप्रेशर थेरेपी
6) एन्जिल्स थेरेपी
7) सूक्ष्म यात्रा
8) चक्र हीलिंग
9) छायापुरुष
10) क्रानिस्कोरियाल थेरेपी
११) दस महाविद्या साधना
१२) डाऊजिंग चिकित्सा
१३) रत्नविज्ञान - रत्न
14) गर्भ संस्कार
15) वूडू
१६) जिन्नात मंत्र
17) कर्ण पिशाचिनी साधना
18) कुंडलिनी जागरण
19) केरलियन मसाज थेरेपी
20) मिमी-काकी चिकित्सा
२१) मुद्रा शास्त्र साधना
22) मनी मेडिटेशन / कुबेर त्राटक
23) संगीत चिकित्सा
24) ओशो ध्यान

25) ॐ त्राटक
26) पास्ट लाइफ रिग्रेशन
27) प्राणिक हीलिंग
28) रिफ्लेक्सोलॉजी थेरेपी
29) श्री मेरु यंत्र
30) स्वयंवर शिरोधरा
31) सुदर्शन क्रिया
32) सुजोक थेरेपी
33) टेरोट कार्ड
34) तिब्बती लामा फेरा थेरेपी
35) वशीकरण तंत्र
36) विपश्यना- ध्यान
37) वास्तु शास्त्र
38) योग
39) भावना प्रबंधन
40) परिवार प्रबंधन
41) पति या पत्नी को समझना
42) विवाह परामर्श
43) कैरियर मार्गदर्शन
44) सेवानिवृत्ति के बाद जीवन
45) युवा मार्गदर्शन
46) लाइफ प्लानिंग-रिडिजाइनिंग
47) पब्लिक स्पीकिंग

डॉ. जोषी की अन्य विषयों पर प्रकाशित पुस्तकें,

1. द रॉक. बदलते युग के साथ एक दार्शनिक उपन्यास बहुत दिलचस्प विषय, एक महिला की मनोवैज्ञानिक यौन विशेषताएं.

2. 'चटटान' डॉ. जोषी द्वारा स्वयं हिंदी में अनुवादित रोचक उपन्यास द रॉक.

3. शॉक. यह ई बुक केवल अमेजन किंडल ’पर उपलब्ध है. यह एक लघु थ्रिलर कहानी है।

4. '' अघात '' डॉ. जोषी द्वारा हिंदी में लिखी गई थ्रिलर कहानी।

5. गिरनार माउंटेन (सीरीज) में 8 एडवेंचर्स किताबकी सिरीज बच्चों और माता-पिता के लिए। हैरी पॉटर शैली पर थ्रिलिंग कहानी।

6. "खतरनाक अघोर गिरनारी से जान लेवा टक्कर" उपरोक्त पुस्तक हिंदी में (श्रृंखला) 8 पुस्तकें

7. “हिंदी के माध्यम से अंग्रेजी बोलिए” स्पोकन इंग्लिश की किताब।

8. गुजराती के माध्यम से अंग्रेजी बोली जाती है .. स्पोकन इंग्लिश की किताब। ऊपर की किताब गुजराती में अनुवादित
9. मराठी के माध्यम से अंग्रेजी बोली जाती है .. स्पोकन इंग्लिश की किताब।ऊपर की मराठी में अनुवादित पुस्तक।

10. पियानो, के लिए हिंदी गीतोंकी सरगम
(कुल 9 पुस्तकें)
अंग्रेजी , हिंदी, मराठी में वॉल्यूम 1,2 & 3

11. गिटार के लिए हिंदी गीतोंकी सरगम
(कुल 9 पुस्तकें)
अंग्रेजी , हिंदी, मराठी में वॉल्यूम 1,2 & 3

12. हारमोनियम के लिए हिंदी गीतोंकी सरगम
(कुल 9 पुस्तकें)
अंग्रेजी , हिंदी, मराठी में वॉल्यूम 1,2 & 3
13. कीबोर्ड के लिए हिंदी गीतोंकी सरगम
(कुल 9 पुस्तकें)
अंग्रेजी , हिंदी, मराठी में वॉल्यूम 1,2 & 3

किताबें आ रही हैं, उपन्यास (आश्रम)

हिमालयन व्यंजनों पर पुस्तक,

एक नाटक (वोह)

जानिये लेखक आचार्य डा. जोषी के बारे में

हमारे गुरु, आचार्य डॉ जोषी एक ईश्वरीय प्रतिभाशाली व्यक्ति है। । आचार्य डॉ जोषी के जैसा अच्छा गुरु आपका जीवन बदल सकता है।

कृपया आगे ध्यान से पढ़ें, फिर आप उनके बहु प्रतिभाशाली, बहु कार्यशील व्यक्तित्व को समझ पायेंगे। इस धरती पर किसी भी इंसान को बहुत शक्तिशाली तरीके से ठीक करने के लिए उनके पास असाधारण शक्ति है। उनके पास निम्नलिखित जीवन विज्ञान पर आदेश है। उनके पास न केवल जीवन विज्ञान के बारे में ज्ञान है बल्कि उन्होने इन विषय को सरल बनाकर हजारो लोगोंको सिखाया भी है।

"सम्मोहन चिकित्सा" वह सबसे अच्छे आध्यात्मिक सम्मोहक गुरुओन्मेसे एक है, वह किसी को भी गहरी ट्रान्स में ले जा सकते है। कुदरत ने उन्हे शक्तीशाली भारी आवाज का उपहार दिया है। . वह सबसे अच्छे नैदानिक- क्लिनिकल सम्मोहकों में से एक है, वह सबसे अच्छे गुप्त- कोवर्ट सम्मोहकों में से एक है, वह आंखों, आवाज और स्पर्श से सम्मोहन सिखाते है। उनके

वैज्ञानिक दिमाग ने हिप्नोटिजम समझने के लिए जो सिद्धांत विकसित किये है, वो आश्चर्यजनक है। उनका ज्ञान स्वयं के भीतर एक विश्वविद्यालय है।

“रेकी; “ उनके पास बहुत शक्तिशाली रेकी कंपन है। उम्र दराज वरिष्ठ रेकी चिकित्सक, हिंदू और जैन साधु संत, ईसाई प्रिस्ट, इस्लामी मौलवी उनसे उपचार लेने आते है। । वैकल्पिक चिकित्सा और अलौकिक चंगा करने की शक्तियोंके बारे मे चर्चा करने के लिये अनेक धर्म गुरु उनसे मिलते है। वो सभी ग्रैंड मास्टर्स से ऊपर है। हिंदू मायथॉलॉजी, ईसाई धर्म, इस्लाम, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, झरतृष्टिजम, बोहेमियन फिलोसॉफी के बारे में उनका विस्तृत ज्ञान और अध्ययन जबरदस्त है। कई प्रैक्टिसिंग डॉक्टर , क्लास वन सरकारी अधिकारी तनाव प्रबंधन के लिए (स्ट्रेस मेनेजमेण्ट के लिये) उनके पास आते हैं।

वह दावा नहीं कर रहे है कि उन्होने **कैंसर वाले** मरीजों को ठीक किया है। लेकिन उन्होंने रोगी और परिवारों को अपरिहार्य मौत, परम सत्य को स्वीकार करने के लिए सिखाया है. उन्होने सिखाया है कि ***मृत्यु को स्वीकार कैसे करें और जीवन को कैसे स्वीकार करें।*** ऐसे मामलों में **कई रोगी डॉक्टर की भविष्यवाणियों से अधिक समय**

तक जीवित रहते हैं। । दूसरे शब्दों में कोई कह सकता है कि रोगी ठीक हो गया है।

उनके पास प्राणिक उपचार, , चक्र हीलिंग , तिब्बती लामा थेरेपी & और कुंडलिनी सक्रियण की शक्तिशाली तकनीकें हैं। स्वस्थ शरीर, मन और आत्मा के लिए।

वो "पास्टलाईफरिग्रेशन" भी सिखाते है जिससे आप जान पाते है "आप कौन हैं?" और समस्या से पीड़ित क्यों है। म्यूजिक थेरेपी के तहत वो संगीत सिखाते है, जैसे कि कीबोर्ड और गिटार सीखना।, । रोगी को ठीक बनाकर जीवन का आनंद लेने के लिए सिखाते है।.

"एक्यूप्रेशर" ; क्योंकि ब्रह्मांडीय ऊर्जा उनकी उंगलियों के माध्यम से बहती है, उनका उपचार दिव्य शांति देता है और किसी भी रोगी को आराम देता है। वो मरीज को सिखाते है, 'खुद के दर्द का प्रबंधन कैसे करें'। .'मानव वंश शास्त्र' (एंथ्रोपोलोजी) पर उनका अध्ययन 'एर्गोनॉमिक्स विज्ञान' और आधुनिक जीवनशैली के विकास और इसके दर्द के साइड इफेक्ट्स, वो इस तरह समझाते है कि ऑर्थोपेडिक डॉक्टर भी आश्चर्यचकित हो जाते हैं।

वह कई रोगियों को 'क्रैनोसाक्राल उपचार (CST)' देते है, जब

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान पेशंट के दर्द को ठीक नहीं कर सकता है। उन्होने सीएसटी से कई डॉक्टरों को प्रशिक्षित किया है, जिसके परिणाम अद्भुत हैं। यह चिकित्सा सरवाईकल दर्द में मदद करता है।.

डॉ. जोषी,निम्न्लिखित शास्त्र सिखाते एवम उपचार भी करते है। सुजोक, रिफ्लेक्सोलॉजी, , केरलियन मसाजस्वयंम शिरोधरा मिमी-काकी (टोफुगु), ,

वह एक टेलीपैथी मास्टर है। जीवन में खुशीयाँ पैदा करने के लिए वह अप्सरा हठ योग मनी मेडीटेशन (कुबेर त्राटक), ओमकार त्राटक एंजल्स थेरेपी सिखाते है । वह एक ज्योतिषी गुरुजी है, जिनकी भविष्यवाणिया 80% से 90% सटीक होती है। वह ज्योतिष, कुंडली भी देखते है, जेमोलॉजी-रत्नोंका शास्त्र , नाडी शास्त्र, शिवश्वरोदय और डाउजिंग वह विशेषज्ञ है। फेस रीडिंग के भी

वह वास्तुशास्त्र के एक विशेषज्ञ है, जो वास्तुशास्त्र के महत्व को सिखाते है। वह नीचे सूचीबद्ध प्राचीन गुढ विद्या (प्राचीन रहस्यमय विज्ञान)के महागुरु (मास्टर के मास्टर) हैं। श्री मेरु यंत्र, , मुद्राशास्त्र,, छायापुरुष,वशिकरण, दस महाविद्या हुडू-वूडू, जिन्नात मंत्र , कर्ण पिशाचिनी ये विद्याये किसी भी गुरु द्वारा शायद ही कभी सिखाये

जाते है। चूंकि डॉ जोषी के पूर्वज उत्तरकाशी, उत्तराखंड के हैं; (हरिद्वार ऋषिकेश "देवभूमि" के रूप में जाना जाता है, उनके निकट है) हिमालयी तपस्वी, ऋषी और सन्यस्त महागुरु से उन्होने आध्यात्मिक विज्ञान का अभ्यास रचाया है।

ह दुनिया के सबसे बेहतरीन ध्यान गुरु है, वो सुदर्शन क्रिया सिखाते है, ओशो दर्शन और ध्यान, विपश्यना योग. सिखाते है। उनका योग, 'आसन' से सीमित नहीं है, ट्रान्स में उनका योग अत्यंत शानदार है।

वह 'केवल' a आध्यात्मिक गुरु नहीं है, बल्कि वह एक मनोवैज्ञानिक मोटीवेशन गुरू है। वह सार्वजनीक स्थल पर धोती कुर्ता में भी सहजता से घूम सकते है और साथ ही साथ थ्री पीस ईटालियन सूट में भी बहुत आत्मविश्वास से रहते है। क्या अद्भुत व्यक्तित्व का मिश्रण है! उनके मनोवैज्ञानिक विश्लेषणोने हजारोंके जीवन को प्रभावित किया है .. भावनाओं का प्रबंधन emotions management, स्मृति का प्रबंधन memory management, मन की एकाग्रता mind concentration, शादी का परामर्श, marriage counseling, जीवन साथी समझौता Understanding life partner, परिवार प्रबंधन family management, , पारिवारिक समस्याओं family

problems,कि उकेल सेवानिवृत्ति के बाद जीवनlife after retirement, Life planning –redesigning life.जीवन योजन ई. है। चुंबकीय व्यक्तित्व, कैसे पाये एवम वो युवाओं मार्गदर्शन करते है।

उपरोक्त विषय पर डॉ.जोषीने हजारों व्याख्यान दिए हैं। भारत में उनके विचारों को इण्डिअन एक्सप्रेस, दैनिक भास्कर जैसे सर्वश्रेष्ठ समाचार पत्र में प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान में वह भास्कर समाचार समूह का हिस्सा हैं, आप हर बुधवार को हिंदी दैनिक भास्कर, सूरत संस्करण में उनके विचार पढ़ सकते हैं।

सामाजिक जिम्मेदारी के साथ एक विचारवंत होने के नाते उनके 'हाउस वाईफ के लिए करियर मार्गदर्शन' बेहतरीन है। कई प्रतिभाशाली महिलाओं को 40 के बाद क्या करे ये समझ मे नही आता। जब बच्चे बडे हो जाते है, पति व्यस्त हो जाता है, घर सेट हो जाता है तब महिलाओंको जीवन के साथ क्या करना है पता नहीं चलता। । महिलाओंको कैरियर को पुनः आरंभ करने से जीवन में आनंद आने लगता है। यदि बच्चे कुछ शानदार करियर करना चाहते है तो छात्रों के लिए 'कैरियर मार्गदर्शन' डॉ.जोषी द्वारा लिया जाना चाहिए।

जीवन के प्रति उनका समर्पण केवल आध्यात्मिकता और

धार्मिक कार्य तक ही सीमित नहीं है बल्कि वह सबसे अच्छे कॉर्पोरेट मोटिवेशनल ट्रेनर भी है।उनका अंग्रेजी भाषा पर प्रभुत्व है। वो **स्पोकन इंग्लिश** भी सिखाते है। उन्होंने **स्पोकन इंग्लिश पर गुजराती और हिंदी में पुस्तकें लिखी है।** उनके पास **परियोजना रिपोर्ट project reports** बनाने और उन्हें व्यावहारिक रूप से सफल बनाने का तकनीकी ज्ञान है। वह व्यावहारिक **व्यवसाय परामर्श Business consultancy,** देते है। Business consultancy, gives व्यापार विचारों, Business Ideas, consultation on विपणन विचारों Marketing Ideas.पर भी वो परामर्श देते है।

अब उनके तकनीकी ज्ञान के बारे में जानें। वह **Google certified Analytics** Expert (with 93% passing.)उन्होंने तेजी से और सटीक काम के लिए कई कम्पनीयोंके के लिये **mechanical fixtures and mechanical devices** डिजाईन किए हैं। (वह**वेब डिज़ाइनिंग** के विशेषज्ञ है यह विशेष वेबसाइट उसके द्वारा डिज़ाइन और संरचित है। इस विषय का कोई भी विशेषज्ञ इसके महत्व को समझ सकता है) वो **HTML, Java, PHP, DOT NET.** के साथ काम करते है।

वह **SEO** (Search Engine Optimization) expert,

SEM(search Engine Marketing) expert, **Social Media Management expert.**है। वह Digital Marketing विशेषज्ञ हैं, इसका मतलब है कि लोगों को **Google, Youtube, Blogger, Wordpress.** से पैसे कमाने का तरीका सिखाते है। रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक घरेलू उपकरणों जैसे इस्त्री, माइक्रोवेव, और वाशिंग मशीन आदि के प्रशिक्षित मैकेनिक हैं। उनके पास **वायरमैन औद्योगिक केबल तारों का ले आउट और हाउस वायरिंग, प्लम्बिंग**का उत्कृष्ट कौशल ग्यान है। . वें प्रशिक्षित **Interior decorator designer.**है। उन्होंने फर्नीचर कंपनियों के लिए **RTA furniture** डिजाईन किया है। वह एक कुशल **leath machine operator, welder, driller, fitter.**है।

वह एक चित्रकार **portrait artist**हैं, उनकी आधुनिक कला और समकालीन कला न केवल **कागज और कैनवास** से सीमित है बल्कि कपड़ों और **T shirt**पर भी उनकी कला अफलातून है। वह एक **लेखक, एक कवि** है और **उर्दू शायरी** के बारे में गहरा ज्ञान रखते है। **उनका क्लासिकल हिंदी, एवम शेक्सपियर से प्रेमचंद तक अंग्रेजी साहित्य में** गहन अध्ययन हैं। . वह डिवाईन टच के साथ एक **photographer**भी है। वो एक एक्स्पर्ट **cook, a fashion designer**है। उनकी महिलाओं के फैशन का काम असाधारण हैं।

उनकी कंप्यूटर साक्षरता के बारे में; वह एक **Ethical hacker. Web designer. Photoshop and 3D'sMax expert** जो विद्यर्थियोंको सिखाने की क्षमता रखता है। वह **film editor, a VFX technician to handle pinnacle and SE** software जिसके द्वारा बेहतरीन एडीटिंग उन्होने की है। वह **Animation** एक्स्पर्ट है **After Effect, Sound editing (sound fordge) 3Ds Max, Adobe illustrator, coral draw, adobe in design, Flash , Matrix, Maya, marvelous, 3D Auto cad, 3Ds Sweet home.Dream viewer, Turbo c++, PHP, Java, Android software.**वेब डिज़ाइनिंग और एप्लिकेशन बनाना जानते है।

उन्होंने फ़ोटोशॉप डिजिटल पेंटिंग्स और **डिजिटल मेक अप** की विभिन्न तकनीक और कौशल को विकसित किया है। । उनके पास 62 साल की नानी को 16 साल की लड़की की तरह दिखने का शानदार कौशल है। **Real make up** के साथ चेहरे पर असली मेकअप में वे बहुत रचनात्मक काम करते है। जब वह किसी भी चेहरे का मेकअप करते है, तो वह इतनी खूबसूरती को छूता है कि लोग अपनी मूल सुंदरता को महसूस करते हैं ।वह रचनात्मक **मेहेंदी कलाकार है।** .बाल स्टाइलिस्ट, हेयर हाइलाइटर भी है। वह एक **गायक** है, जो शास्त्रीय संगीत के बारे में ज्ञान रखता है। वो गायन सिखाते भी है। **वो**

किसी को भी कीबोर्ड 15 मिनट के भीतर सिखाते है।.

उन्होने कुछ मछुआरे युवाओं को प्रेरित किया है और तापी नदी किनारे कुबेरेश्वर मंदिर प्रस्थापित एवम विकसित किया है। जहां 2 साल से पहले केवल गंदा जंगल और अपशिष्ट भूमि थी। उन्होंने खुद शिवलिंग के **प्रतिष्ठापना** की है और कलभैरव के स्थान प्रतिस्थापन किये है। असामाजिक गतिविधियों में ये युवा शामिल थे, जो अब पूरी तरह से धार्मिक गतिविधियों में परिवर्तित हो गए हैं। अब गोशाला, ध्यान आश्रम और आयुर्वेदिक उपचार केंद्र, वृद्धावस्था घर, अनाथालय घर के लिए योजना बनाई। भटके हुये नौजवानोंको चैरिटेबल ट्रस्ट बनाने में भी डॉ.जोषीजीने मदद की है।

वे अत्यधिक **पॉलिशड शिष्टाचारी** व्यक्ति है; उनके प्रेसीडेंसी के तहत नया सावेरा नामक **चैरिटेबल ट्रस्ट** कई सामाजिक गतिविधियों से जुड़ा हुआ है। उन्होने दुनिया के 36 से अधिक देशों का दौरा किया है। ज्ञान को अवशोषित करने के लिए वें दुनिया भर के कई गुरुओं से मिले। मानव को बेहतर तरीके से समझने के लिए माया, मिस्र, अफ्रीकी, फारसी, जापानी, चीनी और भारतीय संस्कृति का उन्होने अध्ययन किया है।

फिर भी, इन सभी गुणों के साथ, वह बहुत ही सरल, मामूली और शांत व्यक्ति है, जो अंतरात्मा से बहुत शुद्ध है। उनकी आभा इतनी शक्तिशाली है कि उससे मिलने के बाद सकारात्मक ऊर्जा महसूस कर सकते है।

उनके अनुयायी पूरी दुनिया में हैं। आईये हमसे जुड़ जाईये ...

Contact us

Ideazunlimited3@gmail.com
ishwarbhaijoshi23@gmail.com

Website

http://www.ideazunlimited.net

reiki.ideazunlimited.net

astrology.ideazunlimited.net

career.counselor.ideazunlimited.net

digitalmarketing.ideazunlimited.net

hypnotherapy.ideazunlimited.net
hacking.ideazunlimited.net

kuber.ideazunlimited.net

lighthouse.ideazunlimited.net

nayasavera.ideazunlimited.net

marriage.counselor.ideazunlimited.net

student.counselor.ideazunlimited.net/

webdesigner.ideazunlimited.net

http://www.ideazunlimited.co.in

http://www.sargamforkeyboardguitar.co.in

https://www.pranavjoshi.co.in

https://unboxing.pranavjoshi.co.in

https://videosongs.pranavjoshi.co.in

loan.ideazunlimited.net

http://boxshop.ideazunlimited.net/
http://homeshoppe.ideazunlimited.net/
http://fastfood.ideazunlimited.net/
http://tastyfood.ideazunlimited.net/
ideazunlimitedco.wordpress.com
https://officialblogideazunlimited.blogspot.com

Social Media

Youtube/c/ideaz unlimited
https://www.facebook.com/ideazunlimitednet-
/
https://www.facebook.com/Light-house-
studioz-/
https://twitter.com/goldenpanda
https://plus.google.com/
https://www.linkedin.com/in/ishwarananda/
https://www.youtube.com/channel/UCsEZsnsH
HcTPHJFLqQ?view_as=subscriber
https://www.facebook.com/ideazunlimitednet-
/

https://www.facebook.com/Light-house-studioz-/
https://twitter.com/goldenpanda
https://plus.google.com/